BSES

गेम्स में 700 कर्मियों की बदौलत सुनिश्चित हुई निर्बाध बिजली आूपर्ति

- आंकड़ों से खुलासा– खेल स्थलों पर एक सेकंड के लिए भी नहीं हुई बिजली गुल
- 350 मेगावॉट अतिरिक्त बिजली का था इंतजाम

नई दिल्ली: 25 अक्टूबर, 2010। कॉमनवेल्थ गेम्स के मेजबान डिस्कॉम्स के तौर पर बीआरपीएल और बीवाईपीएल को जो जिम्मेदारियां मिली थीं, उन जिम्मेदारियों को इन डिस्कॉम्स ने अच्छी तरह निभाया, और किसी भी खेल स्थल पर एक सेकंड के लिए भी बिजली गुल नहीं होने दी। खेल स्थलों से मिले बिजली संबंधी आंकड़ों का अध्ययन करने के बाद यह बात सामने आई है। गौरतलब है कि खेल स्थलों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बीआरपीएल और बीवाईपीएल के 700 कर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इसके अलावा, सेंट्रल टीम और स्काडा भी हर क्षण खेल की पूरी बिजली व्यवस्था पर नजर रखे हुए थे। किसी भी आपात स्थिति से निबटने के लिए न सिर्फ खेल स्थलों के अंदर कई स्तरों पर बीएसईएस टीमें तैनात की गई थी, बल्कि खेल स्थलों के बाहर भी टीमें मौजूद थीं। बीएसईएस ने खेल स्थलों पर 130 मेगावॉट बिजली लोड की आपूर्ति की।

ताकि खेलों के दौरान बिजली की कोई कमी न हो, इसके लिए बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने कुल 350 मेगावॉट अतिरिक्त बिजली की व्यवस्था की थी। बीआरपीएल ने खेलों के लिए खास तौर पर 100 मेगावॉट ग्रीन पॉवर का इंतजाम भी किया था। पावर बैंकिंग के तहत तमिलनाडु से ग्रीन पावर लिया गया था। गेम्स के दौरान न सिर्फ खेल स्थलों पर, बल्कि शहर के अन्य हिस्सों में बेहतरीन बिजली व्यवस्था सुनिश्चित की गई, ताकि विभिन्न देशों से आए खिलाड़ियों पर मेहमानों पर दिल्ली अपनी अच्छी छाप छोड़ सके। यही नहीं, शत–प्रतिशत स्ट्रीट लाइटों को भी बिजली मुहैया कराई गई, ताकि रात में दिल्ली रहे जगमग। इसके अलावा, टूरिस्टों से भरे पहाड़गंज, करोलबाग और दरियागंज के इलाकों में बिजली के तारों का जंजाल हटाया गया। बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने करीब 350 करोड़ रूपये खर्च कर खेल स्थलों को जाने वाले रास्तों/ सड़कों पर भी बिजली सिस्टम को अंडरग्राउंड बनाया, ताकि दिल्ली की बेहतर छवि बन सके।

यहां यह बता देना जरूरी होगा कि बीएसईएस ने समय से काफी पहले ही सभी खेल स्थलों पर आपूर्ति सिस्टम को दुरूस्त बना दिया था और स्टेडियमों की बिजली लोड की क्षमता में भी अच्छी–खासी बढ़ोतरी की थी ताकि आपातकाल जैसी कोई स्थिति न आए।

बीवाईपीएल के सीईओ श्री रमेश नारायणन के मुताबिक, त्रुटिरहित व विस्तृत योजना बनाई गई और उच्चस्तरीय तकनीक का उपयोग किया गया। इसके अलावा, करीब 80 करोड़ रूपये की लागत से खेल से संबंधित बिजली प्रोजेक्ट्स समय पर पूरे कर लिए गए। इस तरह की पहल से ही यह संभव हो पाया कि गेम्स के दौरान बिजली व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

बीआरपीएल सीईओ श्री गोपाल सक्सेना ने बताया, हमारा स्काडा सिस्टम खेल स्थलों पर निर्बाध बिजली मुहैया कराने में काफी मददार साबित हुआ। स्काडा से ही बीएसईएस के सभी 121 ग्रिड स्टेशनों को मॉनिटर किया गया। रियल टाइम आधार पर स्काडा ने वितरण नेटवर्क के स्वास्थ्य को मॉनिटर किया और इससे, निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो पाई।

- निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए किए गए कुछ काम :

खेल स्थलों के आसपास के ग्रिड स्टेशनों पर इंफ्रारेड थर्मल स्कैनिंग तकनीक लगाई गई, जो समय से पहले ही यह बताने में सक्षम थी कि कहां पर फॉल्ट आ सकता है। सभी खेल स्थलों पर कम से कम दो स्तरीय बिजली व्यवस्था की गई, ताकि यदि किसी कारणवश एक स्रोत से बिजली नहीं मिल पाई, तो दूसरे स्रोत से स्वतः बिजली मिलनी शुरू हो जाए। डेडिकेटेड पावर सप्लाई दी गई, ताकि सिस्टम की विश्वसनीयता बनी रहे। एक आपातकालीन प्रबंधन ग्रुप का गठन किया गया, जिसने वृहद् नीतियां बनाईं और उन पर काम शुरू किया गया। बिजली गुल होने की स्थिति से निपटने के लिए क्विक रिएक्शन टीम बनाई गई। खेल स्थलों के भीतर कई स्तरों पर बीएसईएस टीमें तैनात थीं। सीनियर इंजीनियरों के नेतृत्व में खेल स्थलों के बाहर नई ऑपरेशन व मेंटेनेंस वीइकल्स तैनात की गई।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआपीएल व बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870/ 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999415/ 9350130304